

जैसे- 'कनकन जौरे' का एक अर्थ होना 'कनक न जौरे', दूसरा अर्थ 'कन कन जौरे' होगा।

सभय वि. (तत्.) भययुक्त, भयभीत क्रि.वि. डरते हुए, भयपूर्वक।

सभर्तृका स्त्री. (तत्.) जिसका पति जीवित हो जीवित पति वाली (स्त्री) सधवा।

सभा स्त्री. (तत्.) 1. किसी विशिष्ट परामर्श हेतु या किसी अन्य प्रयोजन से किसी एक स्थान पर एकत्रित लोगों का समूह 2. वह संस्था जो किसी विशिष्ट उद्देश्य या कार्य सिद्ध, परिषद, समिति के लिए संघटित की गई हो और नियमित रूप से अपना कार्य करती हो 3. वैदिक काल की एक संस्था जिसमें कुछ विशिष्ट लोग सामाजिक व राजनैतिक आदि विषयों पर विचार करते थे 4. राजा का दरबार 5. जुआरियों का जमघट या समूह 6. घर, मकान।

सभाग वि. (तत्.) 1. जो भाग युक्त हो, हिस्सा युक्त 2. जिसका पैतृक संपत्ति में सामान्य हिस्सा हो 4. भाग्यवान, खुशकिस्मत।

सभागृह पुं. (तत्.) वह एक सुनिश्चित स्थान जहाँ किसी विशिष्ट उद्देश्य से सार्वजनिक सभाएँ होती हों या संस्थागत अधिवेशन आयोजित होते हों।

सभाग्रणी पुं. (तत्.) 1. संसद, विधानसभा द्वारा निर्वाचित वह नेता या मुखिया जो भावी कार्यक्रमों को निश्चित करता है 2. सभा का मुखिया, सदन का नेता।

सभाचतुर वि. (तत्.) 1. वह जो सभा या शिष्ट समाज में अपनी वाक्कुशलता से लोगों को अपने अनुकूल प्रभावित व प्रसन्न कर सकता हो 2. सभा में अत्यंत व्यवहारकुशल।

सभाचातुरी स्त्री. (तत्.) सभा में चतुर होने की कुशलता, प्रवृत्ति, गुण या भाव।

सभाचार पुं. (तत्.) 1. सभा के अनुरूप आचरण या व्यवहार जिसका पालन करना सभा में जाने पर अत्यावश्यक होता है 2. सामाजिक रीति-रिवाज।

सभाजन पुं. (तत्.) सभा में एकत्रित उपस्थित लोग।

सभात्याग पुं. (तत्.) सभा में किसी व्यवहार या कार्य से असहमत होकर उसके विरोध में सभा से बाहर चले जाना, सभा का त्याग।

सभानेता पुं. (तत्.) संसद या विधानसभा का विधिवत् निर्वाचित नेता जो उचित कार्यवाही का निर्धारण करता है, सदन का नेता leader of the house

सभापति पुं. (तत्.) किसी सभा या गोष्ठी के कार्यों के विधिवत संचालन के लिए प्रधान के रूप में सम्मानित रूप से चुना गया व्यक्ति।

सभापरिषद स्त्री. (तत्.) 1. विशिष्ट विद्वानों या सुरक्षित लोगों का एकत्र होकर किसी विशेष विषय साहित्य, राजनीति, विज्ञान आदि से संबंधित विचार या चिन्तन करना 2. उक्त कार्य के लिए बनी हुई परिषद् या सभा, सभाभवन।

सभारना स.क्रि. (तत्.) सँभालना, व्यवस्थित करना, याद करना।

सभार्यक वि. (तत्.) जो भार्या के सहित हो, सपत्नीक।

सभावी पुं. (तत्.) सभिक- जो अपने ठिकाने में बैठकर जुआँ खिलाता हो, जुएखाने का मालिक।

सभासचिव पुं. (तत्.) सदन का सचिव।

सभासद पुं. (तत्.) जो किसी सभा या सदन या संस्था का सदस्य हो।

सभिक पुं. (तत्.) जुए घर का मालिक दे. सभावी।

सभीत वि. (तत्.) डरा हुआ, भययुक्त, डरते हुए, भयपूर्वक।

सभीति वि. (तत्.) 1. भयभीत, डरा हुआ 2. कायर, डरपोक।

सभेय वि. (तत्.) 1. जो सभा या शिष्ट समाज के उपयुक्त हो 2. विद्वान् 3. शिष्ट व्यक्ति 4. सभाचतुर।

सभ्य पुं. (तत्.) 1. वह जिसका सामाजिक दृष्टि से आचार, व्यवहार उत्तम हो, भला आदमी 2. सभासद, सदस्य वि. 1. सभा के योग्य 2. शिष्ट, विनम 3. सुसंस्कृत, सज्जन।